# उत्तर संकेत

## सत्रांत परीक्षा - 2017-18

## हिन्दी- 'आधार'

## कक्षा बारहवीं

**समयः 3 घंटे** **अधिकतम अंक 100**

| | | |
|---|---|---|
| 1. (क) | • कलाकृति के निर्माण के प्रमुख साधन<br>• जिसको आधार बनाकर कला का सृजन<br>• कला की आत्मा, भावपक्ष | 2 |
| (ख) | • कलाकृति के निर्माण में आंतरिक तत्वों का महत्व अधिक<br>• बाहरी तत्व से कला का प्रदर्शन<br>• जबकि आंतरिक तत्व कला को गरिमा प्रदान करने में सहायक। | 2 |
| (ग) | • कहानी जिस प्रसंग विशेष पर बुनी जाती है<br>• कहानी को आधार प्रदान करने वाला तत्व | 2 |
| (घ) | कहानी किसी रचना की संपूर्णता से संबंध रखती है, जबकि कथानक उस रचना के किसी विशेष प्रसंग से संबंध रखता है। | 2 |
| (ड़) | • नाटक के शब्दों द्वारा ही नाटक को प्रस्तुत करना<br>• कथानक आदि तत्व का आधार शब्द<br>• शब्दों के माध्यम से कथ्य की अभिव्यक्ति का होना। | 2 |
| (च) | • कथानक नाटक को शरीर की तरह<br>• कथानक से ही कृति का आरंभ<br>• आलोचना, समालोचना, समीक्षा आदि के लिए कथानक पहली कडी। आदि। | 2 |
| (छ) | • कहानी में प्रयुक्त पात्रों को चरित्र कहा गया है।<br>• पात्रों के बीच होने वाले संवाद को विचार-संभाषण कहा गया है। | 2 |
| (ज) | 'कथानक का महत्व' आदि (कोई भी उचित शीर्षक स्वीकार) | 1 |
| **2** (क) | रिश्ते की खूबसूरती तथा महत्व बताने के लिए। | 1x5=5 |
| (ख) | स्वार्थ की भावना मे डूबे होने के कारण (अन्य अपेक्षित उत्तर भी स्वीकार्य) | |
| (ग) | • जीवन की गहराईयों को नहीं समझने के कारण।<br>• रिश्तों की अहमियत नहीं समझना। | |
| (घ) | कठिनाइयों के। | |
| (ड़) | आने वाली पीढ़ी को/ बच्चे को। | |
| 3 | विषयवस्तु - 3<br>भाषा - 1<br>प्रस्तुति - 1 | 5 |

| | | |
|---|---|---|
| 4. (क) | आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ - 01<br>विषयवस्तु - 3<br>भाषा - 1 | **5** |
| 5 क) | I. अंशकालिक<br>II. पूर्णकालिक | **1x5=5** |
| ख) | सनसनीखेज पत्रकारिता को | |
| ग) | भुगतान के आधार पर काम करने वाले पत्रकार | |
| घ) | • सर्व-सुलभ होना<br>• त्वरित गति से उपलब्ध - आदि | |
| ड़) | • सहज, सरल, बोधगम्य<br>• आम लोगों को समझ आने वाली | |
| 6 | विषयवस्तु - 3<br>भाषा - 1<br>प्रस्तुति - 1 | **5** |
| 7 | विषयवस्तु - 3<br>रोचकभाषा - 1<br>प्रस्तुति - 1 | **5** |
| 8 क) | • अट्टालिको को<br>• उसमें रहने वाले धनि वर्ग शोषक<br>• गरीबों के शोषण के कारणों का केन्द्र | **2x4=8** |
| ख) | 'पंक' - गरीब/शोषित<br>जलज - धनि वर्ग/ शोषक | |
| ग) | गरीब आदमी कठिनाइयों में भी हँसता रहता है। | |
| घ) | • कीचड़<br>• यहाँ शोषितों के संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है। | |
| | अथवा | |
| क) | • अपने लक्ष्य तक पहुँचने के बारे में सोच रहा है।<br>• समय के रहते लक्ष्य तक पहुँचना चाहता है। | |
| ख) | • दाना-पानी की आशा में<br>• अपने माता-पिता के आने की प्रतीक्षा में। | |
| ग) | • समय पर मंजिल तक पहुँचने की चिंता<br>• समय पर कार्य नहीं होने से व्यक्ति का परिश्रम बेकार चला जाता है। | |
| घ) | • अपने बच्चे को याद कर<br>• घर पहुँचने को लेकर | |

| | | |
|---|---|---|
| 9. क) | • अवधी भाषा<br>• सोरठा छंद<br>• शोक और उत्साह का भाव | **2x3=6** |
| ख) | भगवान राम के प्रलाप को सुनकर वहाँ उपस्थित सभी वानर, भालू दुखी हो रहे थे। उसी समय हनुमान पहुँच गए। उनके पहुँचने से दुखी लोगों के मन में उत्साह का संचार हो गया। | |
| ग) | उत्प्रेक्षा अलंकार, अनुप्रास अलंकार | |
| | अथवा | |
| क) | • बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो।<br>• नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो। | |
| ख) | • खड़ी बोली<br>• सहज सरल भाषा<br>• चित्र बिम्ब का प्रयोग | |
| ग) | विभिन्न जीवंत प्राकृतिक एवं मांसल प्रयोग द्वारा उषा का वर्णन | |
| 10.<br>क) | • भाव के अनुसार भाषा का प्रयोग<br>• अभिव्यक्ति में सावधानी रखना<br>• भाषा का उचित और सारगर्भित प्रयोग आवश्यक। | **3+3=6** |
| ख) | • बच्चों का स्वभाव कपास की तरह<br>• जन्म से ही निडर, कल्पनाशील और चंचल होते हैं।<br>• वे निश्छल तथा मानव-मूल्यों को अपनायें होते हैं। | |
| ग) | • मीडिया की क्रूरता को बताया गया है।<br>• मीडिया को मनुष्य, समाज आदि की चिंता न होकर मुनाफे की चिंता<br>• अपाहिजों की संवेदनाओं को बेचने का अमानवीय कृत्य। | |
| 11.<br>क) | • पिता से भक्तिन का अगाध प्रेम<br>• विमाता का ईष्यालु होना<br>• संपत्ति के प्रति मोह | **2x4=8** |
| ख) | • एकाएक कृपा तथा प्रेम का भाव<br>• पिता की मृत्यु का समाचार सुनकर भक्तिन द्वारा रोने को अपशकुन मानना। | |
| ग) | • खुशी तथा उत्साह के भाव के साथ जल्दी जल्दी जाना<br>• मायके जाने की खुशी ने भक्तिन को उत्साह से भर दिया। | |
| घ) | • अफसोस और निराशा का भाव<br>• भक्तिन से हमदर्दी तथा सहानुभूति की भावना | |
| 12.<br>क) | • जेब में पैसा होना<br>• वस्तुओं के प्रति लालच और समेट लेने की भावना | **3x4=12** |

| | | |
|---|---|---|
| | • मन से खाली मनुष्य पर बाजार का असर अधिक होता है<br>• जेब में पैसे होने पर सब कुछ खरीद लेने की इच्छा को हम नहीं रोक पाते। | |
| ख) | • नग्नस्वरूप शरीर, उछलकूद, शोर-शराबे के साथ कीचड-कादों में सने होने के कारण<br>• वे सोलह-अठारह बरस के लडके कीचड में सने शोर करते रहते थे। | |
| ग) | • गाँव वालों में जीने की शक्ति भरती थी।<br>• बूढ़े बच्चे जवान की आँखो में चमक<br>• मृत्यु से भयमुक्त होना | |
| घ) | • अमिताभ बच्चन, दिलीप कुमार आदि कलाकार को<br>• उन्होंने चार्ली के अभिनय से प्रेरित हो भारतीय सिनेमा में अभिनय किया।<br>• चार्ली की स्वीकृति तथा अभिनय कला में मानवीय पत्र को ज्यादा महत्व<br>• दर्शक का एक बड़ा वर्ग - आम से लेकर खास तक होने के कारण | |
| (ड) | • मनुष्य के हृदय में व्याप्त प्रेम, सहयोग तथा मानवीय भावनाओं को नहीं बाँटा जा सकता<br>• राजनीतिक कारणों से चाहे धरती जितना बँट जाए, लेकिन मनुष्य की संवेदना एक है।<br>• समाज का निर्माण प्रेम, सहयोग, भाईचारे जैसे मूल्यों से, राजनीतिक हलचलों से नहीं। | |
| 13 | विद्यार्थियों की समझ तथा अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन स्वीकार्य। | **5** |
| 14<br>क) | • साहस, परिश्रम, लगन तथा अनुशासन जैसे मूल्यों के आधार पर कहानी का नायक सफलता प्राप्त करता है<br>• विद्यार्थियों द्वारा इन मूल्यों के आधार पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। | **5** |
| ख) | • योजनानुसार शहरों का निर्माण<br>• चौडी सडकें, नालियाँ, भंडार-गृह आदि का होना<br>• धार्मिक, समाजिक नियमों के अनुसार जीवन संचालन<br>• समृद्ध एवं सुसंस्कृत समाज के अनेकों अवशेष मिले हैं। आदि (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य) | **5** |